नि0आ0सं0– /जि0टा0फो0 च0/रू0/विविध/2018–19

जनपद रूद्रप्रयाग के अन्तर्गत रूद्रप्रयाग बाई पास द्वितीय चरण के लिए 900 मीटर भूमिगत सुरंग (Tunnel) के निर्माण हेतु प्रस्तावित 3.680 हे0 वन पंचयती भूमि का गैर वानिकी कार्यो हेतु सीमा सडक संगठन को प्रत्यावर्तन हेतु स्थल की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या

कमान अधिकारी, 66 सडक निर्माण इकाई (ग्रेफ) पिन 930066, द्वारा 56 सेना डाकघर के पत्र संख्या 240/रूद्र0बाई पास–द्वितीय चरण/181 दिनांक 16 अक्टूबर, जो कि उप निदेशक/खान अधिकारी, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, जिला टास्क फोर्स गोपेश्वर, जनपद चमोली को सम्बोधित व मुख्यालय 21 सी0स0कृ0बल द्वारा 56 सेना डाकघर को पृष्ठांकित है का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा जनपद रूद्रप्रयाग के अन्तर्गत रूद्रप्रयाग बाई पास द्वितीय चरण के लिए 900 मीटर भूमिगत सुरंग (Tunnel) के निर्माण हेतु प्रस्तावित 3.680 हे0 वन पंचयती भूमि का गैर वानिकी कार्यो हेतु सीमा सडक संगठन को प्रत्यावर्तन हेतु स्थल की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या की अपेक्षा की गयी है, के क्रम में अधोहस्ताक्षरी द्वारा श्री नागेन्द्र कुमार, कमान अधिकारी एवं श्री एस0पी0 पुरोहित, सर्वेयर, 66 आर0सी0सी0 गौचर की उपस्थिति में उक्त स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण आख्या निम्नवत है :–

पहुॅच/अवस्थिति :–

प्रश्नगत स्थल रूद्रप्रयाग–गौरीकुण्ड राष्ट्रीय राजमार्ग–107 के किमी0 1.650 (सान्दर मन्दाकिनी नदी पर निर्मित पुल) से प्रारम्भ होकर रूद्रप्रयाग–पोखरी मोटर मार्ग के किमी0 1.000 (चोपडा–कुरझण मोटर मार्ग के समीप) तक लगभग 900 मीटर लम्बाई मे सुरंग निर्माण कार्य प्रस्तावित है। प्रस्तावित स्थल वन पंचायत भूमि सान्दर के अन्तर्गत अवस्थित है जो कि लगभग 3.680 हे0 भूमि है।

भूआकृति/भूगर्भीय संरचना :–

स्थल रिज के रूप मे अवस्थित भूभाग है जिसमे कि रिज के निचले/अदंरूनी भूभाग मे सुरंग का निर्माण कार्य किया जाना प्रस्तावित किया गया है। स्थलीय निरीक्षण के दौरान अवगत कराया गया कि 900 मीटर लम्बाई की सुरंग मे 8 मीटर ऊंचाई व 12 मीटर चौडाई के साथ सुरंग का निर्माण कार्य किया जाना है। स्थल लेसर हिमालय के अन्तर्गत गढवाल समूह की चट्टानों मे वर्गीकृत भूभाग है जिसमे कि स्थल के उत्तर मे मुख्य केन्द्रीय भ्रंश व दक्षिण मे नार्थ अल्मोडा थ्रस्ट अवस्थित है। मन्दाकिनी नदी/मोटर मार्ग के बांये पहाडी ढाल पर मुख्यतः क्वार्टजाईट प्रकृति की चट्टानें विद्यमान है जो कि स्थूलकाय प्रकृति की विद्यमान है। सतह पर चट्टानें थिन बेडिग प्लेन के साथ सतह पर दृष्टिगोचर होती है तथा अलकनन्दा नदी के दाहिने तट के अपस्लोप पर निर्मित मोटर मार्ग के अपस्लोप मे मुख्यतः मैफिक/बेसिक प्रकृति की चट्टानें विद्यमान हैं तथा पहाडी ढाल की सतह पर आंशिक मृदा के साथ चट्टानों के छोटे फेगमेन्टस पहाडी ढाल पर मिश्रित अवस्था मे दृष्टिगोचर होते है।

स्थल भारतीय सीजमिक मानचित्र मे उच्च हिमालयी पर्वत श्रेणियों के सक्रिय भूकम्पीय जोन मे अवस्थित है। अतः यदाकदा अधिक तीव्रता के भूकम्पन्नों से स्थल के प्रभावित होने की सम्भावना से नकारा ही जा सकता है।

(Nagendra Kumar)
Executive Engineer (Civ)
Officer Commanding
66 RCC (GREF)
C/O 56 APO

Scanned by CamScanner

नि0आ0सं0– /जि0टा0फो0 च0/रू0/विविध/2018–19

जनपद रूद्रप्रयाग के अन्तर्गत रूद्रप्रयाग बाई पास द्वितीय चरण के लिए 900 मीटर भूमिगत सुरंग (Tunnel) के निर्माण हेतु प्रस्तावित 3.680 हे0 वन पंचयती भूमि का गैर वानिकी कार्यो हेतु सीमा सडक संगठन को प्रत्यावर्तन हेतु स्थल की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या

कमान अधिकारी, 66 सडक निर्माण इकाई (ग्रेफ) पिन 930066, द्वारा 56 सेना डाकघर के पत्र संख्या 240/रूद्र0बाई पास–द्वितीय चरण/181 दिनांक 16 अक्टूबर, जो कि उप निदेशक/खान अधिकारी, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, जिला टास्क फोर्स गोपेश्वर, जनपद चमोली को सम्बोधित व मुख्यालय 21 सी0स0कृ0वल द्वारा 56 सेना डाकघर को पृष्ठांकित है का सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जिसके द्वारा जनपद रूद्रप्रयाग के अन्तर्गत रूद्रप्रयाग बाई पास द्वितीय चरण के लिए 900 मीटर भूमिगत सुरंग (Tunnel) के निर्माण हेतु प्रस्तावित 3.680 हे0 वन पंचयती भूमि का गैर वानिकी कार्यो हेतु सीमा सडक संगठन को प्रत्यावर्तन हेतु स्थल की भूगर्भीय निरीक्षण आख्या की अपेक्षा की गयी है, के क्रम में अधोहस्ताक्षरी द्वारा श्री नागेन्द्र कुमार, कमान अधिकारी एवं श्री एस0पी0 पुरोहित, सर्वेयर, 66 आर0सी0सी0 गौचर की उपस्थिति में उक्त स्थल का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण आख्या निम्नवत है :–

पहुँच/अवस्थिति :–

प्रश्नगत स्थल रूद्रप्रयाग–गौरीकुण्ड राष्ट्रीय राजमार्ग–107 के किमी0 1.650 (सान्दर मन्दाकिनी नदी पर निर्मित पुल) से प्रारम्भ होकर रूद्रप्रयाग–पोखरी मोटर मार्ग के किमी0 1.000 (चोपडा–कुरझण मोटर मार्ग के समीप) तक लगभग 900 मीटर लम्बाई मे सुरंग निर्माण कार्य प्रस्तावित है। प्रस्तावित स्थल वन पंचायत भूमि सान्दर के अन्तर्गत अवस्थित है जो कि लगभग 3.680 हे0 भूमि है।

भूआकृति/भूगर्भीय संरचना :–

स्थल रिज के रूप मे अवस्थित भूभाग है जिसमे कि रिज के निचले/अदंरूनी भूभाग मे सुरंग का निर्माण कार्य किया जाना प्रस्तावित किया गया है। स्थलीय निरीक्षण के दौरान अवगत कराया गया कि 900 मीटर लम्बाई की सुरंग मे 8 मीटर ऊंचाई व 12 मीटर चौडाई के साथ सुरंग का निर्माण कार्य किया जाना है। स्थल लेसर हिमालय के अन्तर्गत गढवाल समूह की चट्टानों मे वर्गीकृत भूभाग है जिसमे कि स्थल के उत्तर मे मुख्य केन्द्रीय भ्रंश व दक्षिण मे नार्थ अल्मोडा थ्रस्ट अवस्थित है। मन्दाकिनी नदी/मोटर मार्ग के बांये पहाडी ढाल पर मुख्यतः क्वार्टजाईट प्रकृति की चट्टानें विद्यमान है जो कि स्थूलकाय प्रकृति की विद्यमान है। सतह पर चट्टानें थिन बेडिग प्लेन के साथ सतह पर दृष्टिगोचर होती है तथा अलकनन्दा नदी के दाहिने तट के अपस्लोप पर निर्मित मोटर मार्ग के अपस्लोप मे मुख्यतः मैफिक/बेसिक प्रकृति की चट्टानें विद्यमान हैं तथा पहाडी ढाल की सतह पर आंशिक मृदा के साथ चट्टानों के छोटे फ्रेगमेन्टस पहाडी ढाल पर मिश्रित अवस्था मे दृष्टिगोचर होते है।

स्थल भारतीय सीजमिक मानचित्र मे उच्च हिमालयी पर्वत श्रेणियों के सक्रिय भूकम्पीय जोन मे अवस्थित है। अतः यदाकदा अधिक तीव्रता के भूकम्पन्नों से स्थल के प्रभावित होने की सम्भावना से नकारा ही जा सकता है।

CTC

(Nagendra Kumar)
Executive Engineer (Civ)
Officer Commanding
66 RCC (GREF)
C/O 56 APO

Scanned by CamScanner

उक्त स्थल पर निर्माण कार्य हेतु निम्न सुरक्षात्मक उपायों के साथ विचार किया जाना उचित होगा।

1. सुरंग निर्माण कार्य के दौरान कटाव के पश्चात अंदरूनी भूभाग पर उचित सिविल भूअभियांत्रिकी मेजर्स का प्राविधान किया जाना आवश्यक होगा।
2. सुरंग निर्माण कार्य हेतु यदि विस्फोटको का प्रयोग किया जाना हो तो कन्ट्रोल ब्लास्टिंग का प्राविधान किया जाय।
3. सुरंग मे सतही जल प्रवाह हेतु आवश्यक हो तो रैखिक नालियों का निर्माण कार्य किया जाना होगा।
4. निर्माण कार्य के दौरान स्थलों पर आवश्यकतानुसार रोक बोल्टिंग आदि सिविल मेजर्स का प्राविधान किया जाय।

प्रस्तावित स्थल पर एकत्रित किये गये सतही आकड़ों, भूस्थलाकृति, भूप्रकृति एवं भूगर्भीय संरचना के दृष्टिकोण से उपरोक्त सुरक्षात्मक उपायों के साथ सुरंग निर्माण हेतु उपयुक्त है।

CTC

(Nagendra Kumar)
Executive Engineer (Civ)
Officer Commanding
66 RCC (GREF)
C/O 56 APO

(डॉ0 अमित गौरव)
उप निदेशक / भूवैज्ञानिक

Scanned by CamScanner